स्वतंत्रता सेनानी | व्यक्तित्व

राज. के स्वतंत्रता सेनानी

अर्जुन लाल सेठी :-

↳ जन्म → 9 सितम्बर 1880 - जयपुर

उपनाम : राजस्थान का दधिची → दधिच ब्राह्मणों की कुल देवी ↳ दधिमति माता

करीम खाँ

↳ राजस्थान में जनजागृति के जनक

→ जब इन्हे प्रधानमंत्री के पद का ऑफर आया तो इन्होंने यह कहते हुये ठुकरा दिया "अगर अर्जुन लाल सेठी नौकरी करेगा तो अंग्रेजों को भारत से बाहर कौन निकालेगा।

1905 में अजमेर में जैन शिक्षा प्रचारक समिति का गठन किया

1907 → जैन वर्धमान विद्यालय नाम कर दिया (जयपुर)

↳ इस विद्यालय में विष्णुदत्त, मा० आदित्येन्द्रनाथ, जोरावर सिंह बारहठ

केसरी सिंह बारहठ ने सेठी जी के नेतृत्व में प्रशिक्षण लिया

→ 23 दिसंबर 1912 लार्ड हार्डिंग्स पे दिल्ली में प्रतापसिंह बारहठ | जोरावर सिंह

बम फेंका इसकी रूपरेखा अर्जुनलाल सेठी जी की

→ आरा हत्या काण्ड में नाम आने पर जेल गये

→ सेठी जी को वेल्लूर जेल में रखा गया

→ जेल से वापिस आने पर बाल गंगाधर तिलक ने 2000 साथीयो के साथ

रेलवे स्टेशन पर स्वागत किया

1907 मे कांग्रेस अधिवेशन (सूरत मे) (अध्यक्ष रास बिहार बोस) सेठी जी ने भी भाग लिया

सेठी जी की पुस्तकें :
- शुद्र मुक्ति
- स्त्री मुक्ति
- पार्श्व यज्ञ
- मदन पराजय

नाटक
↓
महेन्द्र कुमार

→ अन्तिम समय सेठीजी ने अजमेर मे बिताया

→ मृत्यु → 1941

→ सुन्दरलाल जी ने अपनी पुस्तक (भारत मे अंग्रेजी राज) मे लिखा → सेठी जी दधिचि जैसा त्याग लेकर पैदा हुये और उसी दृढ़ता के साथ मृत्यु को गले लगाया

विजयसिंह :→ भारत मे किसान आन्दोलन का जनक

जन्म → बुलन्दशहर U.P (1882)

मूल नाम → भूप सिंह

→ रास बिहारी बोस के कहने पर राजस्थान आये

→ राज० मे टॉडगढ (ब्यावर) मे विजयसिंह पथिक और गोपाल सिंह खरवा नजर बन्द रखा

→ जेल से फरार होकर अपना नाम विजयसिंह पथिक रखा

→ 1915 मे पथिकजी विद्याप्रचारिणी सभा की स्थापना (अध्यक्ष → हरीभाई कींकर)

→ 1917 मे बेरिसाल गांव भीलवाड़ा मे हरियाली अमावस्या के दिन उपरमाल पंच बोर्ड का गठन किया

↳ श्रावण अमावस्या

↳ सरपंच → मन्ना पटेल को बनाया

1912 में पथिक जी ने वीर भारत समाज की स्थापना की

1918 में राजपूताना मध्य भारत सभा की स्थापना की

1919 → राजस्थान सेवा संघ की स्थापना

1920 → राज. केसरी समाचार पत्र का प्रकाशन

1921 → तरूण राजस्थान | नवीन राज. पत्रिका का सम्पादन किया

→ बिजौलिया | बेंगु किसान आंदोलन में अपनी भूमिका निभाई

→ पुस्तके :→ पथिक विनोद
पथिक प्रहलाद
पथिक प्रमोद
कल्पना कपोल

पथिक जी का उपन्यास
↓
अजयमेरु

मृत्यु :- 1954

जयनारायण व्यास :

↳ जन्म → 1899

→ उपनाम :- लक्कड़-फक्कड़
धुन के धनी
लोक नायक ✓
शेर-ए-राजस्थान
शेर-ए-हिन्द

एकमात्र मनोनित और निर्वाचित मुख्यमंत्री

ढोल नृत्य
↳ जालौर

→ ढोल नृत्य को संरक्षण दिया (यह नृत्य-जालौर में प्रसिद्ध है

→ जयनारायण व्यास को सिवाना दुर्ग में नजरबन्द रखा गया
↳ बालोतरा

व्यास जी सामन्त शाही के खिलाफ आवाज उठाने वाले पहले व्यक्ति थे

→ जोधपुर प्रजामण्डल, जैसलमेर प्रजामण्डल, मारवाड़ किसान आंदोलन में प्रमुख भूमिका रही

व्यास जी की पुस्तकें :

↓

- पोपा बाई की पोल
- उत्तरदायी शासन के लिए संघर्ष
- मारवाड़ की अवस्था
- मारवाड़ में संघर्ष क्यों ?

व्यास जी की पत्रिकाएं

↓

- अखण्ड भारत → 1938
- आगी बाण → 1932 (राजस्थानी भाषा)
- पीप → अंग्रेजी भाषा

व्यास जी ने जालौर से चुनाव लड़ा था (हार)

(1963 में मृत्यु)

माणिक्य लाल वर्मा

जन्म → 1898 → भीलवाड़ा

→ वर्मा जी को मेवाड़ का गांधी कहा जाता है।

→ 1927 के बाद बिजौलीया किसान आन्दोलन की बागडोर संभाली 1941 मे किसानो की सारी मांगे मनवाकर बिजौलिया किसान आन्दोलन समाप्त किया

→ मेवाड़ प्रजामण्डल का गठन किया → 1938

→ शाहपुरा प्रजामण्डल वर्मा जी के सहयोग से बना

→ वर्मा जी को कुम्भलगढ़ दुर्ग मे नजर बन्द रखा गया

→ 1934 मे सागवाडा मे खाण्डलाई आश्रम की स्थापना की ✓

→ वर्मा जी की पुस्तक → मेवाड़ का वर्तमान शासन

→ गीत → "पंछीडा" और अर्जी गीत → बूंदी किसान

बिजौलिया।

→ वर्मा जी को एकीकरण के तीसरे चरण में प्रधानमंत्री बनाया गया

→ 1969 में वर्मा जी की मृत्यु

→ बाल मुकुन्द बिस्सा → पीड़वा गांव → डीडवाना | कुचामन

↳ रा० का जतिनदास

↳ भूख हड़ताल के कारण इनकी मृत्यु

↳ 19 जून 1942 को जोधपुर कारागार में मृत्यु

→ गोकुल जी वर्मा → शेर ए भरतपुर

↳ भरतपुर वाला

↳ भरतपुर का बुढ़ा शेर

अमर चन्द बांठीया → BKNR

↳ 1857 की क्रान्ति मे रानी लक्ष्मी बाई और तात्या टोपे को धनराशी दी

→ अमर चन्द को नगर सेठ की उपाधि प्रदान की

→ 22 जून 1857 को ग्वालीयर मे अमर चन्द बांठीया को नीम के पेड़ के नीचे सरे आम फांसी दी गयी

केसरी सिंह बारहठ :

जन्म → 1872 में (शाहपुरा का खेड़ा) में हुआ

- उपनाम : डिंगल का कवि
  - → राज० केसरी
- 1903 एडवर्ड सप्तम के राज्याभिषेक समारोह मेवाड़ महाराणा फतेह सिंह भाग लेने जा रहे थे
  - बारहठ जी ने "चेतावनी रा चुगट्या" नामक 13 सोरठे गोपाल सिंह खरवा के हाथों महाराणा तक पहुंचाये
- महाराणा फतेह सिंह दिल्ली गये जरूर लेकिन दरबार में उपस्थित नही हुये।

- → इन्होंने बुद्ध घोष और अश्व-चरित्र का हिन्दी अनुवाद किया
- → कविराजा श्यामल दास की जीवनी लिखी
- → इन्होंने दुर्गा-चरित्र, जसवन्त-चरित्र, उमादे चरित्र, राजसिंह चरित्र ग्रंथ लिखे
- → बारहठ जी हिन्दी भाषा के प्रबल पक्षधर माने जाते है।
- → सीताराम हत्याकाण्ड में इन्हें 20 वर्ष की सजा हुयी
- → लेकिन कर्नल मीक ने यह सजा बाद में कम कर दी थी

प्रताप सिंह बारहठ :

- ↳ केसरी सिंह बारहठ का पुत्र
- ↳ केसरी सिंह बारहठ ने अपने पुत्र को कहा "तुम्हारा नाम प्रताप है प्रताप ही बनो तथा अपने नाम को सार्थक करो

→ 23 दिसम्बर 1912 को दिल्ली के चान्दनी चौक पर अपने चाचा जोरावर सिंह बारहठ के साथ लार्ड हार्डिंग्स पर बम फेंका

→ प्रताप सिंह बारहठ पर बनारस षडयंत्र केस भी चला

→ इन्हें बरेली जेल मे रखा गया तथा अमानुषिक यातनाए दी गयी

→ क्लीवलैण्ड नामक अंग्रेज अधिकारी से प्रताप सिंह बारहठ ने कहा → मै अपनी माँ को हसाने के लिए हजारों माताओ को नही रुला सकता

→ 1918 मे मृत्यु

→ क्लीवलैण्ड ने प्रताप के लिए कहा "मैने इतने अदम्य साहस और कठोर हृदय वाला लड़का नहीं देखा

जोरावर सिंह बारहठ

↳ जन्म → उदयपुर

↳ इन्हे → राजस्थान का चन्द्रशेखर भी कहा जाता है।

↳ 23 दिसम्बर 1912 को लार्ड हार्डिंग्स पर प्रतापसिंह बारहठ के साथ बम फेंका था

✓ ↳ M.P में छुपकर रहे तथा अपना नाम → अमर दास बैरागी (छदम) रखा था

दयानन्द सरस्वती :

↳ जन्म → 1824 कोटकांटा गांव गुजरात

(मूल नाम → मूलशंकर)
गुरु → विरजानन्द
दयानन्द नाम रखने वाले → पूर्णानन्द

↳ कथन → भारत सीर्फ भारतीयों के लिए ✓

↳ नमस्ते शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम सरस्वती जी ने किया

↳ स्वराज्य, स्वदेशी, स्वभाषा, स्वधर्म का प्रयोग किया

↳ वेदों की ओर लौटो नारा दिया

↳ प्रमुख ग्रंथ : सत्यार्थ प्रकाश → 1874 → प्रकाशन → अजमेर → हिन्दी भाषा

पाखण्ड खण्डन ✓

वल्लभाचार्य चिन्तन ✓

वेद भाष्य ✓

ऋग्वेद भाष्य ✓

→ 10 अप्रैल 1875 को आर्य समाज की स्थापना मुम्बई में की 1877 में मुख्यालय लाहौर बनाया

1877 में वैदिक यंत्रालय की स्थापना वाराणसी में की

1882 → परोपकारिणी सभा की स्थापना → उदयपुर

1865 में सर्वप्रथम दयानन्द सरस्वती करौली आये मदनपाल शासक के आग्रह पर

1880-81 → उदयपुर गये → मेवाड़ महाराणा सज्जनसिंह के आग्रह पर

1883 → जोधपुर गये महाराजा जसवन्त सिंह के आग्रह पर

1883 में जोधपुर नन्ही जान नामक वेश्या ने दयानन्द सरस्वती को कांच पीला दिया दूध में जिसके कारण पुष्कर | अजमेर में मृत्यु

→ नन्हीजान | नन्हीभगतन जसवंतसिंह के दरबार में थी

दामोदर दास राठी → 1884-1918 ✓

- इन्हे स्वंतत्रता संग्राम का भामाशाह कहा जाता है ✓
- हिन्दी भाषा के प्रबल पक्षधर थे
- इन्होंने नागर प्रचारण सभा की स्थापना की
- इन्होंने ब्यावर मे आर्य समाज की स्थापना की थी

1934 मे नागरी प्रचारणी सभा की स्थापना

गोकुल भाई भट्ट : राजस्थान का गांधी

↳ जन्म - 25 जनवरी 1897 हाथल गांव सिरोही

↳ सिरोही प्रजामण्डल की स्थापना की ✓

↳ सिरोही रियासत के प्रधानमंत्री और राजस्थान प्रदेश के प्रथम कांग्रेस अध्यक्ष रहे है।

हरिभाऊ उपाध्याय : 1892-1972

- जन्म → ग्वालियर
- वास्तविक नाम → बद्रीनाथ
- पत्रिकाएं : त्याग भूमि, नवजीवन, कर्म भूमि
- इन्होंने गांधी आश्रम, सस्ता साहित्य मण्डल, महिला शिक्षा सदन की स्थापना
- इन्हे "दा साहब" के नाम से जाना जाता है।
- केन्द्रशासित प्रदेश अजमेर मेरवाड़ा (30 सदस्य) पहले और अन्तिम मुख्यमंत्री बने
- प्रमुख रचना : बापू के आश्रम
  युग धर्म
  विश्व की विभुतियां

सीताराम लालस :

- जन्म - सिखड़ी गांव बाड़मेर में 1912 को हुआ
- इन्हे इनसाइक्लोपीडिया ऑफ ब्रिटैनिका में राजस्थानी साहित्य की जुबान कहा गया है।
- इन्होंने राजस्थानी व्याकरण नामक ग्रन्थ लिखा व राजस्थानी भाषा का सबसे बड़ा शब्दकोष तैयार किया है।

गोपाल सिंह खरवा : जन्म 1872 में हुआ

- अजमेर के खरवा ठिकाने के प्रसिद्ध क्रान्तिकारी थे
- रास बिहारी बोस और सचिन्द्र सान्याल के साथ सशस्त्र क्रान्ति योजना बनायी
- इनके बारे में केसरी सिंह बारहठ ने कहा "जिस प्रकार पंजाब को लाला लाजपत राय पर महाराष्ट्र को बाल गंगा धर तिलक पर गर्व है उसी प्रकार राजस्थान को खरवाजी पर गर्व है।

हीरालाल शास्त्री :- 1899-1974

जन्म - जोबनेर - जयपुर ग्रामीण

→ 30 मार्च 1949 को एकीकरण के चतुर्थ चरण में "वृहत राज" में प्रधानमंत्री बने

→ राज० के पहले मनोनीत मुख्यमंत्री बने ✓

→ जयपुर प्रजामण्डल में भूमिका रही ✓

→ 1942 में जेन्टलमेन समझौता → जयपुर प्रजामण्डल के अध्यक्ष हीरालाल शास्त्री जयपुर के प्रधानमंत्री मिर्जा इस्माईल के मध्य हुआ (जयपुर प्रजामण्डल ने भाग नहीं लिया)

→ इन्होंने वनस्थली विद्यापीठ / जीवन कुटीर संस्था की स्थापना की

→ शास्त्री जी की आत्मकथा → प्रत्यक्ष जीवन शास्त्र ✓

" " का गीत :- प्रलय प्रतीक्षा नमो नम ✓

→ 1957-62 तक सवाई माधोपुर के सांसद रहे ।

जमनालाल बजाज :

- जन्म - 1889 ई. काशी का बास सीकर
- उपनाम :- गांधी जी का पांचवा पुत्र, और गुलाम नं. 4
- हिन्दी भाषा के प्रबल पक्षधर थे हिन्दी को इमान की भाषा कहते थे।
- 1921 में सत्याग्रह आश्रम की स्थापना की (वर्धा में)
- 1925 में अजमेर में चरखा संघ की स्थापना
- 1927 में चरखा संघ का मुख्यालय अजमेर बना दिया
- 1938 में जयपुर प्रजामण्डल के अध्यक्ष बने
- इन्होंने राज. केसरी, नवजीवन, कर्मवीर, प्रताप, समाचार पत्रों को आर्थिक सहयोग दिया
- 1942 में मृत्यु

सागरमल गोपा : 1900-1946

जन्म → जैसलमेर

↳ 1915 ई. में सागरमल गोपा व रघुनाथ सिंह ने सर्वहितकारिणी वाचनालय की स्थापना

↳ प्रमुख पुस्तकें : आजादी के दीवाने ✓
जैसलमेर में गुण्डाराज ✓
रघुनाथ सिंह का मुकदमा ✓

→ 1932 में महेश्वर नवयुवक मण्डल की स्थापना

→ 4 अप्रैल 1946 को थानेदार गुमान सिंह ने मिट्टी का तेल डालकर गोपा को जिन्दा जलाया

→ गोपा के लिए → गोपालस्वरूप पाठक आयोग बना

↳ जवाहर लाल नेहरू ने जयनारायण व्यास को जांच सौंपी

↳ जैसलमेर में "खून रो बदलो खून" नारे गूंजे

नोट → ज.ल. नेहरू ने जैसलमेर को निराली रियासत/आठवां आश्चर्य कहा

राज. की प्रमुख महिलाएं

→ रत्ना शास्त्री : हीरालाल शास्त्री जी की पत्नी
- → जयपुर प्रजामण्डल मे भूमिका ✓
- → पद्म श्री व पद्म भूषण से सम्मानित
- → इन्हे वात्सल्य की मूर्ति कहा जाता है ✓

नारायणी देवी वर्मा : माणिक्यलाल वर्मा की पत्नी
- → 1942 मे भारत छोड़ो आन्दोलन मे भाग
- → 1944 महिला आश्रम की स्थापना भीलवाड़ा मे की गयी

अंजना देवी चौधरी : रामनारायण चौधरी की पत्नी ✓ most
- → प्रथम काँग्रेसी महिला ✓
- → बिजौलीया, बेगु, बुन्दी किसानो आन्दोलन मे भूमिका

खेतु बाई : डुंधवा ख्वारा किसान आन्दोलन मे भूमिका most

कान्ता कथुरिया :- राज्य महिला आयोग की प्रथम अध्यक्षा
↳ कोलायत की पूर्व विधायक

प्रतिभा पाटिल :- 8 नवम्बर 2004 को राज० की पहली महिला राज्यपाल
↳ भारत की पहली महिला राष्ट्रपति
↳ ससुराल → छोटी लौसल सीकर

सुनीता नारायण :- बाघों को बचाने के लिए टास्क फोर्स अध्यक्षा

नन्ही बाई :- शेखावटी की सुप्रसिद्ध गायिका (खेतड़ी की)

most

अल्लाह जिल्लाह बाई :- माण्ड गायिका (BKNR)
↳ 1982 में भारत सरकार ने पद्म श्री से सम्मानित किया
↳ 2012 में राजस्थान रत्न प्रदान किया
2003 में 5 रूपये का डाक टिकट जारी

गवरी देवी → पाली (मरू कोकिला कहलाती है)

↳ राज्य की पहली विश्व प्रसिद्ध मान्ड गायिका है

↳ ये महाराजा उम्मेद सिंह के दरबार जोधपुर में भी रही थी

छागी बाई → अजमेर

↳ महिला अधिकारों के लिए सामाजिक संघर्ष कार्यकर्ता महिला

↳ इन्हें नॉबेल पुरस्कार के लिए नामित किया जा चुका है।

↳ इनका संबंध मसुदा पंचायत समिति से है

नगेन्द्र बाला : कोटा की स्वतंत्रता सेनानी

↳ राज० की प्रथम जिला प्रमुख बनी

सत्यभामा : बुंदी के स्वतंत्रता सेनानी नित्यानंद नागर की पुत्रवधु

↳ गांधी जी की मानस पुत्री